

Inauguration of National Conference on Re-engineering Life

H.E. Prof. Kaptan Singh Solanki, Governor of Tripura Inaugurated National Conference of Scientists & Engineers at Guwahati on 9th December, Sunday.

He appreciated the activities of BK in his Inaugural address. He explained 17th Century was British Century, 18th Century was France Century, 19th Century was Germany Century & 20th Century is U.S.A century & 21st Century will be India (Bharat) Century. Brahma Kumaris is playing a main role to transform India. Efforts of Brahma Kumaris will bring definitely Golden Age of Bharat. He also appreciated the service of Brahma Kumaris, Scientists and Engineers Wing. He inspired all engineers to become Honest engineer and play the important role in bringing Golden Age. Bk Sheela, Sub zone Incharge, Guwahati welcomed all the dignitaries and 700 engineers participated in National Conference on Re-Engineering Life.

BK Mohan Singhal, Vice Chairperson of Scientist and Engineers Wing explained the meaning of soul i.e. Science of Unique Light. By experience the unique light Re-engineering of Life is possible.

BK Bharat Bhushan National Co-ordinator of Scientist and Engineers Wing explained about the problems of India which starts from **4 P i.e. Poverty, Population, Pollution & Power Hunger**. Brahma Kumaris eradicating all Problems by **4 P i.e., Purity, Peace, Practical & Purpose**.

Bro. Anil Bhugan, Former Chief Engineers also explained importance of Rajyoga for Re- Engineering.

BK Mausami conducted Meditation.

BK Kavita incharge Agartala conducted the stage.

Please find the enclosed attachment.

जीवन की पुनः इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

त्रिपुरा के गवर्नर प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने 9 दिसंबर, रविवार को गुवाहाटी में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन में ब्रह्माकुमारिज की गतिविधियों की सराहना की।

उन्होंने 17 वीं शताब्दी में ब्रिटिश शताब्दी की व्याख्या की, 18 वीं शताब्दी फ्रान्स सेंचुरी थी, 19वीं शताब्दी जर्मनी शताब्दी थी और 20 वीं शताब्दी यू.एस. शताब्दी थी और 21 वीं शताब्दी

भारत शताब्दी होगी। भारत को बदलने के लिए ब्रह्माकुमारिज मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ब्रह्माकुमारिज के प्रयास से भारत में निश्चित रूप से स्वर्ण युग आ जाएंगे। उन्होंने ब्रह्माकुमारिज , वैज्ञानिकों और इंजीनियर्स विंग की सेवा की भी सराहना की। उन्होंने सभी इंजीनियरों को ईमानदार अभियंता बनने और स्वर्ण युग लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

बी के शीला, उप क्षेत्र प्रभारी, गुवाहाटी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और 700 इंजीनियरों ने पुनः इंजीनियरिंग जीवन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

बी के मोहन सिंघल, वैज्ञानिक और इंजीनियर्स विंग के उपाध्यक्ष ने आत्मा के अर्थ को समझाया, यानी अद्वितीय प्रकाश का विज्ञान। जीवन के अद्वितीय प्रकाश द्वारा पुनरभियांत्रिकरण का अनुभव करना संभव है।

बी के भारत भूषण वैज्ञानिक और इंजीनियर्स विंग के राष्ट्रीय समन्वयक ने भारत की समस्याओं के बारे में बताया जो 4 p यानी गरीबी, जनसंख्या, प्रदूषण और सत्ता की भूख से शुरू होता है। ब्रह्माकुमारिस 4 p यानी, शुद्धता, शांति, व्यावहारिक और उद्देश्य से सभी समस्याओं को खत्म कर रहे हैं।

भाई अनिल भुयान, पूर्व मुख्य अभियंता ने पुनः इंजीनियरिंग के लिए राजयोग के महत्व को भी समझाया।

बी के मौसामी ने राजयोग अभ्यास कराया।

बी के कविता इंचार्ज अगरतला ने मंच का संचालन किया।

कृपया संलग्न संलग्नक पाएं।